19 03/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी को एक-एक कर बार-बार आवाज लगाई गई। किन्तु ना ही तो वकील वादी व ना ही वादी स्वयं उपस्थित हुए अतः वाद हायम पेशी अदम हाजरी में खारिज किया जाता है पत्रावली कस्सना शुमार होकर जंकार से काम की जाकर दाखिल दफ्तर हो

Jayendra